(Pages : 3) **P – 5870**

Reg. No. : ....

Name : ....

Third Semester M.A. Degree Examination, January 2023

Sanskrit for Malayalam Language and Literature

ML 233 – Paper I – CLASSICAL SANSKRIT LITERATURE AND TRANSLATION - DRAMA, POETRY AND TRANSLATION
(2019-2020 Admission)

ML 533 – Paper I – DRAMA, POETRY AND TRANSLATION
(2021 Admission)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

Instruction : 1) Answer may be written in Sanskrit, English or Malayalam.
2) In writing Sanskrit Devanagari script may be used.

gcwcentrallibrary.in

PART - A

I. **अधोनिर्दिष्टानां प्रश्नानां उत्तराणि लिखत।**

Answer the following questions:

1. इक्ष्वाकूणां पुण्यम् आरण्यकव्रतं किम्?
2. अञ्जनानन्दवर्धनः कः?
3. अर्थं वागनुवर्तते। केषाम्?
4. नान्यतः शुद्धिमर्हतः। कौ?
5. जानकीमपि मुञ्चतो नास्ति मे व्यथा। किमर्थम्?
6. धर्मस्य कान्ता का?

P.T.O.

7. केन विना गुरुनाथः यज्ञं करोति?

8. भृत्यस्य पातकः क्षम्यताम्। हेतुः कः?

9. गीतायाः जनयित्री का?

10. भारतस्त्रीणां हा भावशुद्धिः इत्यत्र परामृष्टः राजा कः?

(10 × 1 = 10 Marks)

PART - B

II. **पञ्च प्रश्ना समाधेयाः।**

Answer any **five** questions:

11. रामस्य लोकाराधनप्रतिज्ञा का? विशदयत।

12. चित्रपटे दृष्टां गोदावरीं वर्णयत।

13. हृन्मर्मव्रण इव वेदनां तनोति। कि? विशदयत।

14. रामबाहुरुपधानमेष ते। अस्य वाक्यस्य शाङ्गत्यं लिखत।

15. तन्वङ्गी साञ्जलिः गद्‌गदकण्ठमूचे। किम्?

16. जयत्यसौ मे गुरुनाथः। कथम्?

17. कर्मयोगिनमेतादृशं सूयेत। का?

gcwcentrallibrary.in

(5 × 2 = 10 Marks)

PART - C

III. (a) **द्वयोः पुटात्मकमुत्तरं लिखत।**

Answer in a page any **two** of the following:

18. पम्पाभिधानं पद्‌मसरः। विशदयत।

19. रामस्य जृम्भकास्त्रप्राप्तिं वर्णयत।

20. काव्येषु नाटकं रम्यम्। विशदयत।

(2 × 5 = 10 Marks)

(b) **अनुवदत त्रीणि :-**

Translate any **three** of the following:

21. अद्वैतं सुखदुःखयोरनुगतं सर्वास्ववस्थासु यद्
विश्रामो हृदयस्य यत्र जरसा यस्मिन्नहार्यो रसः।
कालेनावरणात्ययात् परिणते यत् स्नेहसारे स्थितम्
भद्रन्तस्य सुमानुषस्य कथमप्येकं हि तत्साधनम्।।

22. जामातृयज्ञेन वयं निरुद्धाः।
त्वं बाल एवासि नवञ्च राज्यम्।
युक्तः प्रजानामनुरञ्जने स्याः
तस्माद्यशो यत् परमं धनं वः।।

23. कन्यका नैवाहं; प्राणा मे कान्तस्त
दन्यं-अप्रीतिस्ते मास्तु चित्ते।।
भिन्नोऽभूत्भूपस्य भावः, परां साल-
भञ्जिकां पश्यन् सः पुण्यश्लोकः।।

24. शस्त्रसन्नाहं विना धर्मसङ्गरं कुर्वन्
पुस्तकं विना धन्याध्यापनँ समातन्वन्
औषधं विना रोगसंयमकरो; हिंसा
दोषेण विना यज्ञं कुर्वाणो ममाचार्यः।।

(3 × 5 = 15 Marks)

PART - D

IV. **द्वयोः निबन्धात्मकमुत्तरं लिखत।**
Write an essay on any **two:**

25. उत्तररामचरितस्य प्रथमाङ्ककथां संगृह्य लिखत।

26. भवभूतेः नाटकरचनापाटवं वर्णयत।

27. भारतस्त्रीणां भावशुद्धिं यथाग्रन्थं विशदयत।

28. शस्त्रसन्नाहं विना धर्मसङ्गरं कुर्वतः गान्धिदेवस्य महत्त्वं वर्णयत।

(2 × 15 = 30 Marks)

gcwcentrallibrary.in

(Pages : 3) **P – 5888**

Reg. No. : ....

Name : ....

Third Semester M.A. Degree Examination, January 2023

Sanskrit for Hindi Language and Literature

ML 234 A – Paper I – Classical Sanskrit Literature and Translation - Prose, Poetry and Translation

(2019-2020 Admissions)

SG 534 A – Paper I – PROSE, POETRY AND TRANSLATION

(2021 Admission)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

सूचना :- देवनागरी लिपिमुपयुज्य संस्कृत भाषया उत्तराणि देयानि।

Instruction : 1) Answer may be written in Sanskrit, English or Malayalam.

2) In writing Sanskrit Devanagari script may be used.

gcwcentrallibrary.in

PART - A

I. **सर्वेषां प्रश्नानां उत्तराणि लिखत।**

Answer the following. Each carries 1 mark.

1. शूद्रको नाम राजा आसीत् – कुत्र?

2. चन्द्रापीडस्य पिता कः?

3. वैशम्पायनस्य पिता कः?

4. तारापीडस्य मन्त्री कः?

5. वैशम्पायनस्य माता का?

P.T.O.

6. किमेतदित्याकुलमीक्षितं जनैः – कथम्?

7. स्फुटोपम भूतिसितेन शम्भुना – कथम्?

8. विडम्बयन्तशितिवाससस्तनुम् – विशदयत।

9. भवन्ति नापुण्यकृतां मनीषिणः – किम्? स्पष्टयत।

10. निधिश्रुतीनां धनसम्पदां इव – कथम्?

(10 × 1 = 10 Marks)

PART - B

II. **पञ्चप्रश्नानां उत्तराणि लिखत।**
Answer any **five** questions. Each carries **2** marks.

11. ससैन्यो दिग्विजयाय प्रतस्थे – कथम्? विशदयत।

12. शाल्मलीवृक्षः कुत्र अस्ति?

13. 'स्वस्यैवाविनयस्यफलं अनेनानुभूयतेन' – कः एवं वदति? कदा?

14. मनोरमाभिधानायां तनयो जातः – कस्मै?

15. द्वे सुते च बभूवतुः – कस्याम्? सुते के?

16. शिखाभिराश्लिष्टः इवाम्भसां निधिः – कथम्?

17. महानुभावा हि नितान्तमर्थिनः – विशदयत।

gcwcentrallibrary.in

(5 × 2 = 10 Marks)

PART - C

III. **पञ्चानां प्रश्नानां पुटात्मकमुत्तराणि लिखत।**
Answer any **five** questions. Each carries **5** marks.

18. चन्द्रापीडजननम्।

19. अच्छोदसरदर्शनम्।

20. महाश्वेतायाः पुण्डरीक समीपगमनम्।

21. आत्मकृतानां हि दोषाणां नियतमनुभवितव्यं
फलमात्मनैव – सन्दर्भं आशयं च लिखत।

Translate into Malayalam or main language: (22 to 24)

22. अथ प्रयत्नोन्नमितानमत्फणैर्धृते कथञ्चित्फणिना गणैरथ।
न्यधायिपातामभिदेवकीसुतसुतेन धातुश्चरणौ भुवस्तले।।

23. उपप्लुत पातुमदो मदोद्धतैस्त्यमेव विश्वम्भर विश्वमीशिषे।
ऋते श्वे क्षालयितुं क्षमेतकःक्षपातमस्काण्डमलीमसनभ।।

24. अथ गीतावसाने मूकीभूतवीणा सा कन्यका,
समुत्थाय प्रदक्षिणीकृत्य कृतहरप्रणामा परिवृत्य
चन्द्रापीडमाबभाषे – स्वागतमतिथये, कथमिमां
भूमिमनुप्राप्तो महाभागः? उत्थायागम्यताम्, अनुभूयतामतिथिसत्कारः' – इति।

(5 × 5 = 25 Marks)

PART - D

IV. **कमपिग्रन्थमनपहाय द्वयोः निबन्धात्मकमुत्तरं लिखत।**
Answer any **two** questions. Each carries **15** marks.

25. वैशम्पायनेनोक्तां स्वजन्मकथां संक्षेपेण लिखत।

26. महाश्वेतया उक्तं स्ववृत्तान्तं यथाग्रन्थं विशदयत।

27. शिशुपालवधं नाम महाकाव्यदिशा नारदस्य आगमनं वर्णयत।

28. 'माघे सन्ति त्रयोगुणाः' इति शक्तिः शिशुपालवध महाकाव्य दिशा समर्थयत।

(2 × 15 = 30 Marks)

---

gcwcentrallibrary.in